Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies,
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2019 = 6.380, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL, MAY-JUNE, 2020, VOL- 7/59

मुक्त शैक्षिक संसाधनों (OER)के प्रति राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के ग्रामीण व शहरी प्रधानाचार्यों की जागरूकता का अध्ययन

श्रीमती किरण बिश्नोई

Abstract

अध्ययन के परिणाम से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के पुरुष प्रधानाचार्यों और महिला प्रधानाचार्यों की मुक्त शैक्षिक संसाधनों (OER) के प्रति जागरूकता पर प्रकाश डालने में मदद मिलेगी। यह शोध ग्रामीण और शहरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की मुक्त शैक्षिक संसाधनों के प्रति जागरूकता का अध्ययन करने में भी मदद करेगा।

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

मुक्त शैक्षिक संसाधन(Open Educational Resource)

सूचना के युग में आँकड़ें (विषय वस्तु) विभिन्न रूपों में उपलब्ध हैं, यह मुद्रित, इलेक्ट्रॉनिक या इंटरनेट (ऑनलाइन) आदि रूप में हो सकते हैं। विद्यालय स्तर पर विषय वस्तु मुद्रित रूप में विविध पाठ्यपुस्तकों में उपलब्ध है। शिक्षक इन पुस्तकों का उपयोग शिक्षण के लिए करता है जबकि विद्यार्थी उनका उपयोग अधिगम हेतु करते हैं।

मुक्त शैक्षिक संसाधन वो संसाधन है जिन्हें हम शिक्षा के लिए प्रयोग करते है। ये इंटरनेट पर उपलब्ध वह सामग्री है जिसके लिए हमें कोई पैसे नहीं देने पड़ते। ये आसानी से प्रयोग तथा परिवर्तन की जा सकती है। शिक्षा के क्षेत्र में यह एक नवीन संसाधन है जिससे हम सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर सकते है तथा अपने नोटस्, पी.पी. टी. पी.डी.एफ. इत्यादि बनाने के लिए काम ले सकते है तथा दूसरों के फ्री प्रयोग के लिए इंटरनेट पर भी उपलब्ध करवा सकते हैं।

OER के लिए इंटरनेट पर बहुत सारी वेबसाइटस् व कम्प्यूटर ऐप्लीकेशनस् (ऐप)है, जिनकी सहायता से एक अध्यापक अपनी शिक्षण सामग्री को बहुत रोचक ढंग से प्रस्तुत कर सकता है तथा विद्यार्थी आसानी से समझ सकता है। इसके अन्तर्गत वीडियो, ऑडियो, ईमेज— ३डी, ४डी, ५डी, ईमेज ऑडियो कट्टर, वीडियो कटर, शैक्षिक गेमस् बनाना तथा प्रयोग करना प्रभावी शिक्षण हेतु उपलब्ध है। आज आई.सी.टी. का युग है। शायद ही आज कोई ऐसा है जो आई.सी.टी. से अछूता हो। आई.सी.टी. का अर्थ सिर्फ Whatsapp, Facebook, E-mail ही नहीं शिक्षा के स्तर

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

पर भी बहुत कुछ है। शिक्षा आज जन—जन तक आई.सी.टी. की सहायता से आसानी से सीख रहे है। नि:संदेह आई.सी.टी. ने एक नया परिवर्तन हमारे जीवन में लाया है।

प्रधानाचार्य एवं नेतृत्व—

विद्यालय की गुणवत्ता सुनिश्चित करने व प्रबन्धन में प्रधानाचार्य सबसे प्रमुख भूमिका निभाते हैं।संस्था प्रधानों का यह दायित्व है कि वे शिक्षकों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करें कि 'विद्यालय में हर बच्चा सीखे' इस हेतु उपयुक्त वातावरण है। 'सकारात्मक वातावरण' से अभिप्राय कक्षा—कक्षीय वातावरण से है जिसमें शिक्षक व विद्यार्थी, सहजता व सक्रियता से ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया में संलग्न हों।

नेतृत्व के अभाव में सफलता असंभव है। स्कूल प्रधानाचार्य के नेतृत्व का स्कूल के कुशल संचालन में प्रत्यक्ष—अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। अच्छे प्रधानाचार्य उत्कृष्ट शिक्षकों को आकर्षित करने, उसकी कार्यक्षमता को विकसित करने तथा बनाए रखने में सक्षम हैं। वे लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संरचनाएँ बनाने और संसाधनों को जुटाने में भी सक्षम हैं। दूसरों के साथ नेतृत्व को भी साझा करने में सक्षम हैं।

प्रधानाचार्य केवल नियम कानून को पालन करने वाला न होकर अपने टीम के प्रभावी नेतृत्व के लिए भी उत्तरदायी है। वह प्रभावी निर्देश के साथ अपनी टीम को विकसित करता है।प्रधानाचार्य शिक्षा के लिए वातावरण बनाने में सहायता करता है ताकि सभी छात्र अकादमिक समानता प्राप्त कर सकें।

न्यादर्श—

प्रस्तुत शोध कार्य के दत्त संकलन कार्य हेतु राजस्थान राज्य के विभिन्न जिलों के ५०० राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के ५०० प्रधानाचार्यों का चयन किया गया, जिनमें से २५० पुरूष प्रधानाचार्यों व २५० महिला प्रधानाचार्यों को शामिल किया गया।

विधि—

इसशोध अध्ययन में शोधकर्त्री द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

उपकरण—

इस हेतु शोधकर्त्री द्वारा स्वनिर्मित **''मुक्त शैक्षिक संसाधनों के प्रति जागरूकता मापनी''** का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकी—

शोध कार्य हेतु शोधकर्त्री द्वारा सांख्यिकी के रूप में मध्यमान, मानक विचलन एवं टी—परीक्षण का प्रयोग किया गया।

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

शोध के उद्देश्य—

१. राजस्थान राज्य के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के ग्रामीण व शहरी प्रधानाचार्यों की मुक्त शैक्षिक संसाधनों के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

२. राजस्थान राज्य के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष व महिला प्रधानाचार्यों की मुक्त शैक्षिक संसाधनों के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

विश्लेषण—

1- **सारणी संख्या—४.१**

समूह (प्रधानाचार्य)	संख्या	मध्यमान	मानक—विचलन	टी—मूल्य	सार्थकता स्तर
ग्रामीण	२५०	१६८.५३	२०.४४	०.८७	सार्थक अन्तर नहीं है।
शहरी	२५०	१७०.१२	२०.२२		

सारणी संख्या ४.१ के अनुसार राजस्थान राज्य के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के ग्रामीण व शहरी प्रधानाचार्यों की मुक्त शैक्षिक संसाधनों के प्रति जागरूकता के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: १६८.५३ और १७०.१२ है। इन दोनों समूहों का मानक विचलन क्रमश: २०.४४ और २०.२२ है तथा दोनों के मध्यमानों के अन्तर का टी—मूल्य ०.८७ है। प्राप्त टी—मान स्वतंत्रता की कोटि ४९८ पर ०.०५ के विश्वास मूल्य १.६४ तथा ०.०१ के विश्वास मूल्य २.३३ से कम है। अत: राजस्थान राज्य के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के ग्रामीण व शहरी प्रधानाचार्यों की मुक्त शैक्षिक संसाधनों के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

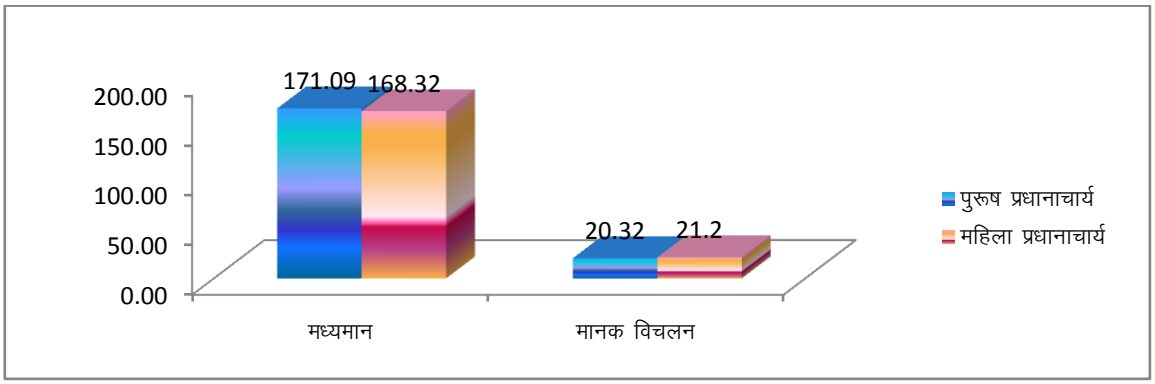

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

2- **सारणी संख्या—४.२**

समूह (प्रधानाचार्य)	संख्या	मध्यमान	मानक—विचलन	टी—मूल्य	सार्थकता स्तर
पुरूष	२५०	१७१.०९	२०.३२	१.४९	सार्थक अन्तर नहीं है।
महिला	२५०	१६८.३२	२१.२०		

सारणी संख्या ४.२ के अनुसार राजस्थान राज्य के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष व महिला प्रधानाचार्यों की मुक्त शैक्षिक संसाधनों के प्रति जागरूकता के प्राप्तांकों का मध्यमान क्रमश: १७१.०९ और १६८.३२ है। इन दोनों समूहों का मानक विचलन क्रमश: २०.३२ और २१.२० है तथा दोनों के मध्यमानों के अन्तर का टी—मूल्य १.४९ है। प्राप्त टी—मान स्वतंत्रता की कोटि ४९८ पर ०.०५ के विश्वास मूल्य १.६४ तथा ०.०१ के विश्वास मूल्य २.३३ से कम है। अत: राजस्थान राज्य के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों के पुरूष व महिला प्रधानाचार्यों की मुक्त शैक्षिक संसाधनों के प्रति जागरूकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

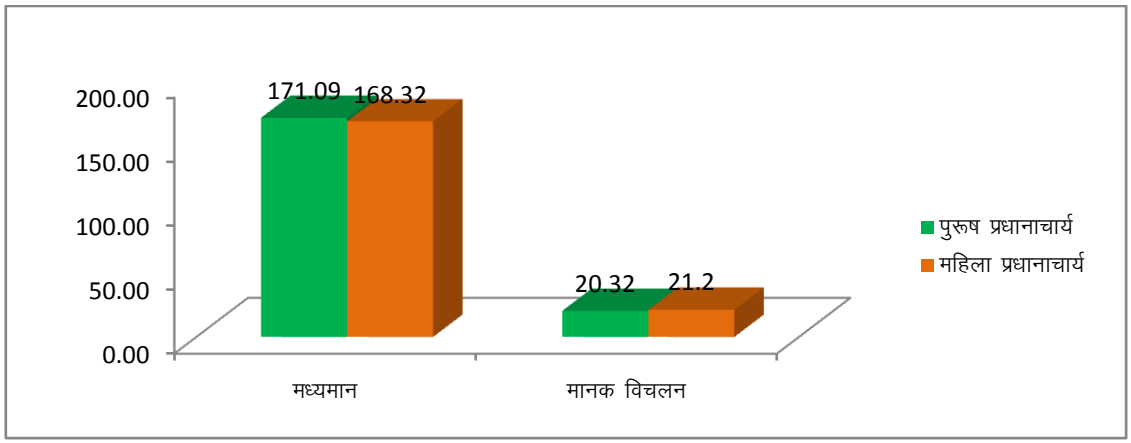

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

संदर्भ ग्रन्थ सूची

अग्रवाल, के. सी. *(२००७).'विद्यालय प्रशासन', आर्य बुक डिपो, दिल्ली।*

अस्थाना डॉ. वि. (२००९). *मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, श्री विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा—२.*

एलिस, आर.एस. (१९५१).*एज्युकेशन साइकोलॉजी ।*

जैन, किशनचंद (१९९९).*'शैक्षिक संगठन, प्रशासन एवं पर्यवेक्षण', राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।*

बार्ग वाल्टर आर. (१९६५). *एजूकेशन रिसर्च इन इन्ट्रोडक्शन, नई दिल्ली, डेविड सिक्की कम्पनी, नई दिल्ली।*

राय, पारसनाथ (२००७).*'शैक्षिक प्रशासन एवं विद्यालय संगठन', लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा।*

Agrawal, J.C. (1983). *Educational Research, N.Delhi, Arya Book Depot.*

Allen, I., & Seaman, J. (2016). *Opening the textbook: Educational resources in U.S. higher education,2015-16. Report published by Babson Survey Research Group.*

Armellini, A., & Nie, M. (2013). *Open educational practices for curriculum enhancement. Open Learning: The Journal of Open, Distance and e-Learning,28(1), 7–20. doi:10.1080/02680513.2013.796286*

Barr, A.S., (1959).*'Research Methods', in Chester W.Harris (Ed.), Encyclopaedia of Educational Research, New York, Macmillan.*

Hilton III, J. L., Gaudet, D., Clark, P., Robinson, J., & Wiley, D. (2013). *The adoption of open educational resources by one community college math department. The International Review of Research in Open and Distributed Learning,14(4), 37–50. doi:10.19173/irrodl.v14i4.1523*

Hilton, J. (2016). *Open educational resources and college textbook choices: A review of research on efficacy and perceptions. Educational Technology Research and Development,64(4), 573–590.doi:10.1007/s11423-016-9434-9.*

Landrum, R. E., Gurung, R. A., & Spann, N. (2012). *Assessments of textbook usage and the relationship to student course performance. College Teaching, 60(1), 17-24. doi: 10.1080/87567555.2011.609573*

Mallinson, B., & Krull, G. (2015). *An OER online course remixing experience. Open Praxis,7(3),263–271. doi:10.5944/openpraxis.7.3.195*

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

Nicholas, A.J. and Lewis, J.K. (2010). *Learning Enhancement or Headache: Faculty and E-textbooks. Proceedings of the Northeast Business & Economics Association (pp. 675-680).*

Perry, M. (2012). *The college textbook bubble and how the "open educational resources" movement is going up against the textbook cartel.* American Enterprise Institute.

Reed, Kathleen (2014). *Awareness of open access issues differs among faculty at institutions of different sizes. Evidence Based Library and Information Practice, 9(4), 76-77.*

Santosh, Gema; Ferran, Nuria; Abadal, Ernest (2017) *Repositories of open educational resources an assessment of reuse and educational aspects. International Reviews of Research in Open and Distance Learning 18(5). Doi:10.19173/irrodl.v18i5.3063*

Wiley, D. (2018). *The OER Adoption Impact Calculator, version 1.2. Retrieved from* http://impact.lumenlearning.com/

Zhang, M., & Li, Y. (2017). *Teaching experience on faculty members' perceptions about the attributes of Open Educational Resources (OER). International Journal of Emerging Technologies in Learning,12(4), 191–199. doi:10.3991/ijet.v12i04.6638.*

Webliography:-

http://openedgroup.org/review

http:// openedgroup.org/toolkit

http://www.oro.open.ac.uk

http://opencontent.org/blog/archives/905

https://oer15.oerconf.org

Copyright © 2020, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies